Observation regarding Disruption of House Proceedings

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, श्री डी.के. सुरेश, श्री दीपक बैज और श्री नकुल के. नाथ, आप लोग सदन की कार्यवाही बार-बार बाधित कर रहे हैं, प्लेकार्ड लेकर आ रहे हैं, नारेबाजी कर रहे हैं और कागज फाड़कर फेंक रहे हैं । यह सदन की मर्यादाओं के अनुकूल नहीं है । माननीय सदस्यगण, मैंने किसी भी माननीय सदस्य का निलंबन बिना किसी कारण के नहीं किया है । लेकिन, आप वरिष्ठ माननीय सदस्य हैं और कागज फाड़कर स्टाफ पर फेंक रहे हैं । पूर्ति सदस्य मेरे पास आते हैं और कहते हैं कि हमारा निलंबन कर दो । क्या यह तरीका सदन में ठीक है? यह रिक्वैस्ट करने आते हैं कि हमारा निलंबन कर दो, क्या आपका यह तरीका ठीक है? आप सदन की इन मर्यादाओं से क्या सदन चलाना चाहते हैं? क्या आपको सदन में कागज फाड़कर फेंकने के लिए भेजा गया है? क्या तख्तियां दिखाने के लिए आपको भेजा गया है? आप चर्चा कीजिए, संवाद कीजिए, आपको मौका दिया जाएगा । लेकिन आप आकर कहेंगे कि हमारा निलंबन कीजिए तो यह तरीका उचित नहीं है । आप नियोजित तरीके से सदन में तख्तियां लहराकर कागज फाड़कर कह रहे हैं कि हमारा निलंबन कीजिए और फिर आप लोग बाहर जाकर कहते हैं कि हमें सस्पेंड कर रहे हैं । मैं किसी भी माननीय सदस्य का कभी भी निलंबन नहीं करना चाहता हूं । आप सभी मेरे माननीय सदस्य हैं, आपको जनता ने चुनकर भेजा है । आपका अधिकार है सदन में बोलने का, चर्चा करने का, बातचीत करने का, लोकतंत्र में सभी को अधिकार है । आप जाकर अपनी सीट पर बैठें । मैं आपको शून्य काल में बोलने का मौका दूंगा, पर्याप्त समय दूंगा, आप कोई भी विषय उठाइए । आप लोग अपनी सीट पर जाइए, मैं आपको बोलने का मौका दे रहा हूं । मैं तख्तियां लेकर ही आऊंगा, मुझे सस्पेंड करो, यह तरीका सदन में उचित नहीं है ।

———

? (व्यवधान)

12.02 hrs